15 लाख की नौकरी छोड़ी, खड़ी कर ली 10 करोड़ की कंपनी

आईआईएम इंदौर के स्टूडेंट नीरज तकसांडे ने जिद की और कंपनी शुरू करने का अपना सपना पूरा किया ।

YOUNG ENTREPRENEUR

• संजय गुप्ता इंदौर

आईआईएम इंदौर के छात्र हैं नीरज तकसांडे। सात साल पहले इंजीनियरिंग करने के बाद आईआईएम में एडमिशन लिया तो पहले ही साल में कंपनियां ऑफर देने लगीं। 15 लाख रुपए का सालाना पैकेज मिलना सामान्य बात थी। चाहते तो कोई भी कंपनी ज्वॉइन कर लेते, लेकिन अंदर एक सपना पल रहा था कि अपनी कंपनी हो और उसमें दूसरों को रोजगार दें। उन्होंने दो पुराने इंजीनियर दोस्तों से बात की और बैंक से लोन लेकर 25 लाख में कंपनी खड़ी की। इस कंपनी का वैल्यूएशन कुछ महीनों में ही 10 करोड़ रुपए आंका गया है। मुंबई निवासी नीरज 29 मार्च को दीक्षांत समारोह में पीजीपी की उपाधि लेंगे।

रोजगार देना है मकसद

नीरज ने 2007 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। बाद में नौकरी करने लगे, लेकिन मन था कि मशीनें बनाने वाली कंपनी स्थापित कर दूसरों को रोजगार दें। इसी बीच आईआईएम में एडमिशन मिल गया। पढ़ाई करते-करते ही मुंबई के पुराने दो दोस्तों को साथ लिया और एंट्रॉपी नाम से कंपनी स्थापित की। यह ऑटो सेक्टर में मशीनें बनाती है। नीरज की पत्नी भी आईआईटी में पढ़ रही है, जबकि उनके पिता मुंबई में सरकारी नौकरी में हैं।

नीरज तकसांडे

नीरज कहते हैं कि हाल ही में उन्होंने अपनी कंपनी का वैल्यूएशन कराया। उसकी कीमत 10 करोड़ रुपए आंकी गई है। पांच लोगों को रोजगार भी दिया है। अब आईआईएम से निकलकर इसे और बढ़ाकर कई लोगों को रोजगार दूंगा।

प्लेसमेंट अंतिम दौर में

आईआईएम की प्लेसमेंट ऑफिसर भव्या कपूर ने बताया वर्ष 2012-14 के इंदौर बैच के 450 और मुंबई बैच के 30 छात्रों के प्लेसमेंट का काम चल रहा है। अधिकांश छात्रों को ऑफर मिल चुके हैं और दीक्षांत समारोह से पहले लगभग सभी के पास ऑफर होंगे। बताया जा रहा है कि पिछले दो साल की तुलना में इस बार अधिक कंपनियां प्लेसमेंट के लिए पहुंची हैं। हालांकि औसत पैकेज करीब 13 लाख सालाना ही रहने की उम्मीद है। इस बैच में नीरज के अलावा पांच अन्य छात्रों ने भी नौकरी मंजूर नहीं की। हालांकि इसके पीछे कारण है कि वे अपने परिवार का बिजनेस संभालेंगे।

Dainik Bhaskar, March 26, 2014, Page-17 (City Bhaskar)